मेरा हाथ पकड़ ले रे

मेरा हाथ पकड़ ले रे कान्हा मन मेरा गबराये,
काले काले बादल ग़म के बादल सिर पे मेरे मंडराए,
मेरा हाथ पकड़ ले रे कान्हा मन मेरा गबराये,

अगर मेरे वस में होता कन्हियाँ,
किनारे लगा ता खुद अपनी नाइयाँ,
यहाँ यहाँ रखु जैसे जैसे रखु पाँव फिसलता जाए,
मेरा हाथ पकड़ ले रे कान्हा मन मेरा गबराये,

अगर आना है तो आ जा कन्हिया,
पार लगा जा बनके खवैया,
धीरे धीरे करके थोरा थोरा करके वक़्त गुजरता जाए,
मेरा हाथ पकड़ ले रे कान्हा मन मेरा गबराये,

नही आना हो तो खबर भेज देना,
हालत उठा के नजर देख लेना,
कही ऐसा ना हो तेरे भरोसे बनवारी रे गए,
मेरा हाथ पकड़ ले रे कान्हा मन मेरा गबराये,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6638/title/mera-hath-pakad-le-re-kanha-man-mera-gabraye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |